Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 20-02-2006
Participants : Suman Shri Ramji Lal,Singh Shri Prabhunath,Malhotra Prof. Vijay Kumar,Gangwar Shri Santosh Kumar

>

Title :Ruling given by Supreme Court on the dissolution of Previous Bihar Vidha Sabha.

श्री प्रभुनाथ सिंह अध्यक्ष महोदय, हम आपके माध्यम से बहुत ही महत्वपूर्ण सवाल उठा रहे हैं, जो संविधान से जुड़ा हुआ स वाल है। आप जानते ही हैं, सदन जानता है और देश जानता है कि ÉÊ¤ÉcÉ® àÉå ABÉE ºÉÉãÉ àÉå ÉÊ ´ÉvÉÉxÉ ºÉ£ÉÉ BÉEä nÉä SÉÖxÉÉ´É cÖA*[i4] पहला चुनाव फरवरी में हुआ। चूंकि उसमें किसी भी दल का स्पट बहुमत नहीं था, इसलिए राज्यपाल की अनुशंसा पर विधान सभा को निलंबित किया गया और 19 मार्च को इसी सदन में इस पर विस्तार से चर्चा हुई थी, जिसमें गृह मंत्री जी ने अपना वक्तव्य दिया था। उन्होंने कहा था कि एक दल दूसरे दल से बात करे और बिहार में एक सरकार बने, उसको केन्द्र सरकार भी अपनी तरफ से समर्थन करे। उन्होंने यह बयान दिया था। उनके बयान के बाद वहां एक दल दूसरे दल के साथ आपस में बात कर रहे थे और जब सरकार बनने की स्थिति आई तो ... *

MR. SPEAKER: Now this cannot go. No, I would not allow this. Show it to me.

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय आप बैठिए। आप क्या कर रहे हैं।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER Nobody has any interest in listening.

श्री प्रभुनाथ सिंह रात को बारह बजे कैबिनेट की बैठक बुलाई गई। ...*

अध्यक्ष महोदय यह टिप्पणी ठीक नहीं है।

...(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह विधान सभा भंग कर दी गई। विधान सभा को भंग करने के बाद विभिन्न दलों के विधायक सर्वोच्च न्यायालय में गए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय आप क्या कहना चाहते हैं?

...(व्यवधान)

---

* Not Recorded.

श्री प्रभुनाथ सिंह एक तरफ सर्वोच्च न्यायालय में मामले की सुनवाई चल रही थी।...(व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, इसे सुन लीजिए।...(व्यवधान) इस मामले में एक तरफ सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई चल रही थी और दूसरी तरफ बिहार विधान सभा के चुनाव की प्रक्रिया भी चल रही थी। चुनाव हो चुका। सर्वोच्च न्यायालय का फैसला भी आ चुका है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय आप छोड़िए। आप क्या करते हैं।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER It is a matter of history. He is repeating what has happened. Everybody in the world knows it.

...(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह : सर्वोच्च न्यायालय का फैसला दो भागों में था। जो जज इसे गलत भी माने हुए हैं, उन्होंने भी टिप्पणी की है।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: No, what is your point? Judgement has been delivered. Fresh elections have been held. You tell me what you want.

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं वही बता रहा हूं।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: You cannot go on on this.

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, थोड़ी भूमिका सुन लीजिए।...(व्यवधान) हम जजमैंट की भूमिका बता रहे हैं। न्यायमूर्ति श्री अमरजीत पसायत ने भी अपने फैसले के पैरा 271 में स्पट शब्दों में लिखा है कि राज्यपाल जैसे महत्वपूर्ण सं वैधानिक पद को इस हास्यास्पद स्थिति में लाने के लिए सरकार, जिसने राज्यपाल नियुक्त किया है, जिम्मेदार है।

दूसरी बात, जिस ढंग से विधान सभा को भंग किया गया और उसके बाद राज्यपाल को हटाया गया। हमारे देहात में डायन-डायन कहकर लोग बहुत लोगों को मारते हैं। डायन जब अपना मंत्र पढ़ती है या उल्टा मंत्र हो जाता है, तो उसी पर गिर जाता है। वही स्थिति यहां हुई है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : सुप्रीम कोर्ट ने क्रिटिसाइज़ किया है।

...(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह हम बताना चाहते हैं कि जिस तरह बिहार में असंवैधानिक कार्य हुआ है, उससे आज दो बातें सामने आ रही हैं - एक बात है कि फरवरी में जो चुनाव हुए थे, उसमें 28 विधायक आज चुनाव हार चुके हैं। सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के अनुसार असंवैधानिक तरीके से, गैर-कानूनी तरीके से बिहार विधान सभा को भंग किया गया। हम जानना चाहते हैं कि जो 28 विधायक चुनाव हार गए हैं, वे आज किस परिस्थिति में हैं? संविधान के अनुसार गैर-संवैधानिक तरीके से विधान सभा को भंग किया गया।...(व्यवधान)

दूसरी जिम्मेदारी नैतिकता की बनती है। डा. मनमोहन सिंह बड़े जिम्मेदार और सज्जन व्यक्ति हैं, मैं उन पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता, हालांकि कांग्रेस पार्टी जब-जब सत्ता में आई है, इसी तरह संविधान की हत्या करती रही है। यह उनकी पुरानी परम्परा रही है। लेकिन हम डा. मनमोहन सिंह से ऐसी उम्मीद नहीं कर सकते, इसलिए नहीं कर सकते क्योंकि सीपीएम के सदस्य साथ थे तो हम समझते थे कि ये कुछ निपक्ष काम करवाएंगे। लेकिन गड़बड़ जगह में जाने के बाद सब लोग गड़बड़ हो जाते हैं। वही स्थिति इनकी बन गई है। इसलिए हम यह बताना चाहते हैं कि आज नैतिकता का तकाजा है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय आप क्या चाहते हैं, वह बताइए।

श्री प्रभुनाथ सिंह हम यह नहीं कहते कि मनमोहन सिंह जी लालू जी या राम विलास जी को बना दें। ये वहां चुनाव में अपना अंदाजा लगा चुके हैं। हम चाहते हैं कि कांग्रेस का ही कोई व्यक्ति बने तो विवाद खत्म हो जाएगा, देश में संवैधानिक मर्यादा और नैतिकता बचेगी। मनमोहन सिंह जी को तत्काल इस्तीफा देना चाहिए और जो लोग चुनाव करके इस महत्वपूर्ण...(व्यवधान) वहां चुनाव करवाएं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय आप छोड़िए।

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: You go to your place. You must go to your place.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव अध्यक्ष महोदय, वह असंवैधानिक था। उस विधान सभा को पुनः बहाल किया जाना चाहिए।

... (Interruptions)

MR. SPEAKER Nothing will be recorded without my permission.

*(Interruptions) ... **

---

* Not Recorded.

MR. SPEAKER I will not allow this type of unruly behaviour so long as I am here.

… (*Interruptions*[m5])

MR. SPEAKER You have made a demand for the resignation of the hon. Prime Minister.

… (*Interruptions*)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा क्या इसी इश्यू पर यह बोल रहे हैं ? …(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Prof. Vijay Kumar Malhotra, I will also give you a chance. You do not have to speak for him. The trouble is that everybody wants to dictate the Chair. I can assure you that the Chair will not be dictated.

… (*Interruptions*)

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : अध्यक्ष महोदय, उच्चतम न्यायालय की पांच सदस्यीय ..(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय राज्यपाल के इस्तीफे का मुद्दा उठाया गया है। इस बारे में आप हां या न बोल दीजिए तो हो जायेगा।

…(व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन अध्यक्ष महोदय, उच्चतम न्यायालय ने बिहार विधान सभा को भंग करने के फैसले को असं वैधानिक करार दिया है। …(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय हरिन पाठक जी, मैंने उनको बोलने के लिए बुलाया है तो आपको कैसे बुलाऊं। What is this? You are a very senior Member. You have been a Minister also. Once a matter is being raised, your Deputy Leader wants to speak and you want to speak even before him on another issue. Please tell me how it is possible. Let the House be not a matter of *Tamasha*. I have assured you that I would call you. Can you not wait for even two minutes?

… (*Interruptions*)

श्री रामजीलाल सुमन अध्यक्ष महोदय, उच्चतम न्यायालय ने यह माना कि राज्यपाल ने जो संस्तुति की थी, जो रिपोर्ट दी थी, वह तथ्यों पर आधारित नहीं थी। मुझे यह निवेदन करना है कि राज्यपाल ने यह कहा कि मैंने सिर्फ सिफारिश की थी, यह अलग सवाल है लेकिन सदन भंग करने का फैसला तो भारत सरकार ने लेना था। अगर मेरी संस्तुति ठीक नहीं थी, तो भारत सरकार उसे वापस कर सकती थी। ...* ने हवाला देते हुए कहा ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: You do not take name. No name will go in the record.

... (*Interruptions*)

श्री रामजीलाल सुमन जब श्री एन.टी. रामाराव आंध्र प्रदेश के मुख्य मंत्री थे, उस समय ...* गवर्नर थे। उन्होंने भी इस तरह की संस्तुति की थी लेकिन उसे वापस ले लिया गया। यह गंभीर मामला है। भारत सरकार को इस पर सफाई देनी चाहिए क्योंकि यह मंत्रिमंडल का सामूहिक दायित्व होता है। इसमें अंतिम रूप से भारत सरकार जिम्मेदार है। जिस तरह से राज्यपालों का प्रयोग किया जा रहा है, वह किसी भी कीमत पर स्वस्थ परम्परा नहीं है। हम चाहेंगे कि ...* भारत सरकार पर जो आरोप लगाया है, उसमें कितनी सच्चाई है, सरकार को इस बारे में बताना चाहिए। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Do not record anything.

*(Interruptions) ...**

प्रो. रासा सिंह रावत (अजमेर) : लोकतंत्र के आप संरक्षक हैं। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : इसलिए मैं सबको बोलने का मौका दे रहा हूं। लेकिन अनलिमिटेड टाइम के लिए नहीं है। अनलिमिटेड टाइम नहीं चलेगा।

...(व्यवधान)

श्री संतोा गंगवार अध्यक्ष महोदय, अभी जो विाय श्री प्रभुनाथ सिंह जी ने उठाया है, वास्तव में वह लोकतंत्र के लिए बहुत ही चिन्ता का विाय है। केन्द्र सरकार जिस प्रकार से कैजूअल तरीके से इन वियों को लेती है और रात में फैसला करती है. वह बहुत गंभीर है। ...(व्यवधान) रात को 12 बजे टेलीफोन पर बाहर गये महामहिम राट्रपति से जानकारी लेकर ऐसा फैसला लेना वास्तव में बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। मेरा आपसे आग्रह है कि इस विाय पर चर्चा हो और प्रधान मंत्री जी अपने पद से त्याग-पत्र दें। ऐसा मेरा मानना है। ...(व्यवधान)

---

* Not Recorded.

MR. SPEAKER: Nothing to be recorded. Kunwar Manvendra Singh, you are only creating a problem. I will have to name you. Enough is enough.

… (*Interruptions*)

श्री संतोा गंगवार अध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही महत्वपूर्ण विाय है। केन्द्र सरकार ने जो फैसला लिया है, वह लोकतत्र की सारी मर्यादाओं का हनन है। जिस प्रकार से देश के महामहिम राट्रपति जी को बीच में खड़ा किया गया, वह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। मेरा आग्रह है कि इस संदर्भ में माननीय प्रधान मंत्री जी बयान दें और तत्काल अपने पद से त्याग-पत्र दें।

MR. SPEAKER: Everybody should follow Shri Santosh Gangwar. This is how to cooperate with the Chair.

… (*Interruptions*)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा अध्यक्ष जी, श्री प्रभुनाथ सिंह जी ने जो प्रश्न उठाया है, वह बहुत महत्वपूर्ण है। श्री बूटा सिंह जी ने राज्यपाल पद से इस्तीफा दिया। …(व्यवधान) सुप्रीम कोर्ट का जजमैंट है कि जितने दोाी श्री बूटा सिंह जी हैं, उतना ही केन्द्रीय मंत्रिमंडल भी दोाी है। जब श्री बूटा सिंह जी ने इस्तीफा दिया तो प्रधान मंत्री जी को भी इस्तीफा देना चाहिए। देश में संवैधानिक व्यवस्थाओं को नट करके ऐसा काम करना उचित नहीं है। इसलिए हमारी मांग है कि प्रधान मंत्री जी जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दें। आधी रात को राट्रपति जी के दस्तखत कराना निहायत ही गलत चीज थी इसलिए प्रधान मंत्री जी को तुरंत इस्तीफा देना चाहिए। …(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Only that hon. Member whose name is Harin Pathak will stand and speak. There is no other notice with me.

… (*Interruptions*)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा अध्यक्ष महोदय, इन्होंने बम बलास्ट के बारे में बोलना है। …(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय आपका नोटिस नहीं है।

…(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह अध्यक्ष महोदय, प्रधान मंत्री जी सदन में मौजूद नहीं हैं। …(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I will come to your matter later on. Shri Harin Pathak has given a notice on an important matter. I am calling him. Prof. Vijay Kumar Malhotra, what is this?

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing will be recorded.

(Interruptions) ... [R6]*

श्री प्रभुनाथ सिंह अध्यक्ष महोदय, यह एक संवैधानिक सवाल है और इस संवैधानिक सवाल पर सरकार मौन बैठी हुई है।…(व्यवधान)

MR. SPEAKER : Shri Harin Pathak, I have called you. You are not being allowed. What can I do? You tell them.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER : Nothing will be recorded.

*(Interruptions) …**

MR. SPEAKER : I will request you to please cooperate. These are very important matters. I am thankful to hon. Members who are alert enough to give notice on some important issues. Shri Harin Pathak has given a notice on an important matter. I will appeal to all his friends not to interrupt him.

… (*Interruptions*)

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY (PURI): Sir, I have also given notice. … (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : देखा जाएगा[R7]।

…(व्यवधान)

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY : Sir, I have also given notice under Rule 184.

MR. SPEAKER : Those who have given notices for today, I have called them.

… (*Interruptions*)

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY : I have given notice.

MR. SPEAKER : Sorry, that is not treated for this.

… (*Interruptions*)

---

* Not Recorded.

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY : Is it not allowed under Rule 184?

MR. SPEAKER : Shri Tripathi, I will decide that. Please do not interrupt. You are a Leader of a Party. Shri Harin Pathak to speak now.

… (*Interruptions*)

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, इस्तीफे का क्या हुआ ?

अध्यक्ष महोदय : हमारा इस्तीफा ले लीजिए। I can give only my resignation.

…(व्यवधान)

MR. SPEAKER : Only Shri Harin Pathak's statement will go on record.

(Interruptions) ... *

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, हम इस पर आपकी रूलिंग चाहते हैं। आप बड़ी निपक्ष रुलिंग देते हैं।…(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपने जब प्वाइंट ऑफ ऑर्डर रेज नहीं किया तो रुलिंग की कोई बात ही नहीं है।

…(व्यवधान)

*** Not Recorded.**